भारत-जापान: धर्म गार्जियन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **भारतीय और जापानी थल सेना** के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास '**धर्म गार्जियन**' का **पाँचवां संस्करण राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज** में शुरू हुआ। दस्तावेज़

मुख्य बिंदु:

- दो सप्ताह का यह अभ्यास भारत और जापान में वैकल्पिक रूप से आयोजित किया जाने वाला एक **वार्षिक अभ्यास** है।
    - **जापानी दल** का प्रतिनिधित्व **34वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट** के सैनिकों द्वारा किया जा रहा है और**भारतीय सेना** का प्रतिनिधित्व **राजपूताना राइफल्स की एक बटालियन** द्वारा किया जा रहा है।
- **इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर** के तहत अर्द्ध-शहरी वातावरण में संयुक्त अभियानों को अंजाम देने के लिये**सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना और संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाना है।**
- यह आयोजन उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना, संयुक्त सामरिक अभ्यास और विशेष हथियार कौशल की बुनियादी बातों पर केंद्रित होगा।

राजपुताना राइफल्स

- यह भारतीय सेना की **सबसे पुरानी राइफल रेजिमेंट** है।
- यह मूल रूप से **ब्रिटिश भारतीय सेना** का एक हिस्सा था, जब पहले से मौजूद छह रेजिमेंटों को मिलाकर 6वीं राजपूताना राइफल्स की छह बटालियन बनाई गई थीं।
- वर्ष 1945 में शीर्षक से अंक पदनाम हटा दिया गया और वर्ष 1947 में रेजिमेंट को **नई स्वतंत्र भारतीय सेना** में स्थानांतरित कर दिया गया।
- आज़ादी के बाद से रेजिमेंट **पाकिस्तान के खिलाफ कई संघर्षों** में शामिल रही है, साथ ही **वर्ष 1953-54 में संयुक्त राष्ट्र** के तत्त्वावधान में **कोरिया में कस्टोडियन फोर्स (भारत)** और **वर्ष 1962 में कांगो में संयुक्त राष्ट्र मिशन** में योगदान दिया है।

संयुक्त राष्ट्र का चार्टर

- संयुक्त राष्ट्र का चार्टर संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक दस्तावेज़ है। **इस पर 26 जून, 1945 को सैन फ्राँसिस्को में हस्ताक्षर किये गए और 24 अक्तूबर, 1945 को यह लागू हुआ।**
- संयुक्त राष्ट्र अपने अद्वितीय अंतर्राष्ट्रीय चरित्र और अपने चार्टर में निहित शक्तियों के कारण विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर कार्रवाई कर सकता है, जिसे एक **अंतर्राष्ट्रीय संधि**माना जाता है।
    - इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र चार्टर **अंतर्राष्ट्रीय कानून का एक साधन** है और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश इससे बँधे हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ), संयुक्त राष्ट्र (UN) का प्राथमिक न्यायिक निकाय, अपने कानून द्वारा संचालित होता है, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अभिन्न अंग के रूप में संलग्न है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-japan-dharma-guardian